'बस पीओके को वापस लेना है, इसके अलवा और कोई बात नहीं'

प्र.मंत्री ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस से कही दो टूक बात

- **न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, मोदी ने कहा, हम नहीं चाहते, कोई मध्यस्थता करे, हमें किसी मध्यस्थ की जरूरत नहीं है।**
- **मोदी ने कहा, अब पाकिस्तान ने कुछ किया तो हमारा जवाब और ज्यादा विनाशकारी होगा।**

नई दिल्ली, 11 मई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस से साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इसका बहुत जोरदार जवाब दिया। उनके ठिकानों पर हमले किए गए।

सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा था, कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जे.डी. वैंस के साथ बातचीत में स्पष्ट संदेश दिया कि वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा। हवाई अड्डों पर हमले ही निर्णायक मोड़ थे। हर दौर में पाकिस्तान के लिए स्थिति खराब होती गई, वे लड़ाई के हर दौर में भारत से हार गए। पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर हमारे हमलों के बाद, पाकिस्तान को एहसास हो गया है कि वे इस लीग में नहीं हैं। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कोई भी सुरक्षित नहीं है, यह नई सामान्य बात है।

सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने जे.डी. वैंस से बातचीत में कहा कि,तकनीकी और सैन्य उपयोग में अंतर था, भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत बड़ा अंतर था, पाकिस्तान को एहसास हुआ कि वो उस श्रेणी में नहीं है। भारत ने अपनी मर्जी से हमला किया और पाकिस्तान के ज़्यादातर हमलों को नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

'भारतीय सेना की कार्यवाही की धमक रावलपिंडी तक सुनाई दी है'

लखनऊ, 11 मई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक बना है।

भारतीय सेना की कार्रवाई सीमा से सटे ठिकानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसकी धमक पाकिस्तानी सेना के हेडक्वार्टर रावलपिंडी तक सुनाई दी।रक्षामंत्री ने यहां ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया और इस ऐतिहासिक अवसर पर नई दिल्ली से जुड़कर उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रदर्शन है। सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने भारत के नागरिक क्षेत्रों, मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों को निशाना बनाने का प्रयास किया।

'हम दोनों देशों के साथ मिलकर हजार साल पुराने कश्मीर झगड़े का हल निकाल लेंगे'

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पाक के बीच कश्मीर मसले पर मध्यस्थता की बात की

- **ट्रंप की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने ट्वीट किया। कोई राष्ट्रपति ट्रंप को यह बताए कि यह बाइबिल में वर्णित हजार साल पुराना झगड़ा नहीं, बल्कि, 78 साल पुराना ही है।**
- **ज्ञातव्य है कि भारत कश्मीर में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता का हमेशा से विरोधी रहा है, जबकि पाकिस्तान ने हमेशा तीसरे पक्ष के दखल की बात कही है।**

नई दिल्ली, 11 मई। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसले का हल निकालने की कोशिश करने की बात कही है। उन्होंने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव को कम करने और सीज़फायर के लिए राजी करने का भी श्रेय लेने की कोशिश की। कश्मीर मसले पर ट्रंप ने कहा कि शायद हज़ार सालों बाद इस समस्या का कोई समाधान निकल आए।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीज़फायर समझौते पर अमेरिकी प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों का नेतृत्व बहुत मजबूत है। उन्होंने कहा, "मुझे भारत और पाकिस्तान के मजबूत और अटूट नेतृत्व पर गर्व है। उन्होंने यह समझने की शक्ति दिखाई कि मौजूदा लड़ाई को रोकना ज़रूरी था। इससे बहुत सारे लोगों की जान जा सकती थी। लाखों निर्दोष लोग मर सकते थे! आपके बहादुर कार्यों से आपकी विरासत और भी मजबूत होगी।"

ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को इस ऐतिहासिक फैसले में मदद करने पर गर्व है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भारत और पाकिस्तान, दोनों के साथ व्यापार को बहुत बढ़ाएंगे। ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वो दोनों देशों के साथ मिलकर कश्मीर मुद्दे का हल निकालने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि शायद हजार सालों बाद इस समस्या का कोई समाधान निकल आए। ट्रंप ने आखिर में भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को बधाई दी।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था, "मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, और कश्मीर में वे एक हजार साल से लड़ रहे हैं। कश्मीर एक हजार साल से चल रहा है, शायद उससे भी ज्यादा समय से। वह एक बुरा हमला था (आतंकवादी हमला)। उस सीमा पर 1,500 साल से तनाव है। यह वैसा ही रहा है, लेकिन मुझे यकीन है कि वे इसे किसी न किसी तरह से सुलझा लेंगे। मैं दोनों नेताओं को जानता हूं। पाकिस्तान और भारत के बीच बहुत तनाव है, लेकिन हमेशा से रहा है।"

कश्मीर मसले को सुलझाने में मदद करने के ट्रंप के इस प्रस्ताव पर कांग्रेस लीडर मनीष तिवारी ने कहा कि यह कोई "बाइबिल का 1000 साल पुराना झगड़ा" नहीं है। यह तो सिर्फ 78 साल पहले शुरू हुआ था।

मनीष तिवारी ने एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, "अमेरिका में किसी को राष्ट्रपति ट्रंप को बताना चाहिए कि कश्मीर कोई 1000 साल पुराना झगड़ा नहीं है। यह 22 अक्टूबर, 1947 को शुरू हुआ था। तब पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर पर हमला किया था। महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर, 1947 को इसे पूरी तरह से भारत को सौंप दिया था। इसमें वो इलाका भी शामिल है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। इस आसान सी बात को समझना इतना मुश्किल क्यों है?"

आर्मी चीफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोकने के लिए शनिवार को बनी सहमति के किसी भी उल्लंघन पर सेना कमांडरों को क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई के लिए पूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं। उन्होंने सैन्य कमांडरों को पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए भी कहा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सेना ने कल शाम दोनों देशों की सेनाओं के बीच बनी सहमति के बावजूद जम्मू कश्मीर, गुजरात और अन्य क्षेत्रों में भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की।

पंजाब से दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह ऑपरेशन सीमा पार जासूसी नेटवर्क को खत्म करने में एक महत्वपूर्ण कदम है और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

सीज़फायर पर ट्रोल हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री

- **मिस्री के बचाव में उतरे असदुद्दीन ओवैसी ने ट्रोलर्स को फटकारा।**

नई दिल्ली, 11 मई। पहलगाम हमले के खिलाफ भारतीय फौज ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, इस दौरान फौज ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान के जरिये की गई नापाक हरकत का भारतीय फौज ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दौरान प्रेस में फौज की कार्रवाई की जानकारी दाने वाले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने खूब सुर्खियां बटोरीं। लेकिन, शनिवार (10 मई) को दोपहर बाद भारत-पाकिस्तान में सीज़फायर के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री दक्षिणपंथी संगठनों के निशाने पर आ गए। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रोफाइल को प्राइवेट कर प्रोटेक्ट कर दिया। सोशल मीडिया पर विक्रम मिस्री को निशाना बनाने वालों को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आड़े हाथों लिया।

सोशल मीडिया पर हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बचाव किया। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट अपने संदेश में लिखा, "विक्रम मिस्री एक सभ्य, ईमानदार और मेहनती डिप्लोमेट हैं, वह हमारे देश के लिए बगैर थके काम कर रहे हैं।" उन्होंने ट्रोलर्स पर निशाना साधते हुए कहा कि "हमें याद रखना चाहिए कि हमारे सिविल सर्वेंट कार्यपालिका के अधीन काम करते हैं और उन्हें कार्यपालिका या हमारे वतन-ए-अजीज के सियासी कयादत के जरिये लिए गए फैसलों के लिए जिम्मेदार या दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।" विदेश सचिव विक्रम मिस्री को ट्रोलर्स के जरिये निशाना बनाए जाने की सूचना ऑल्ट न्यूज के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर ने दी। जुबैर ने विक्रम मिस्री के एक्स अकाउंट का स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, "भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अब अपना एक्स अकाउंट प्रोटेक्ट कर दिया है।"

पुतिन चाहते हैं, यूक्रेन के साथ सीधी बात

मास्को, 11 मई। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ 'सीधी बातचीत' का आव्हान किया। पुतिन ने रविवार को कहा,हम गंभीर बातचीत चाहते हैं। संघर्ष के मूल कारणों को दूर करने और एक स्थायी, मजबूत शांति की ओर बढ़ने के लिए! यह बयान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन के यूक्रेन का दौरा करने और रूस से बिना शर्त 30-दिवसीय युद्धविराम पर सहमत होने का आग्रह करने के कुछ घंटों बाद आया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जवाब में कहा था कि मॉस्को को इस पर विचार करना होगा। लेकिन चेतावनी दी कि, हम पर दबाव डालने की कोशिश करना बिल्कुल बेकार है।

'भारत-पाक सीज़फायर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास के पास हमारे जिन नागरिकों की जान गई है कांग्रेस पार्टी उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। मैं भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को सलाम करता हूं। हमारी सेना ने एक बार फिर दिखाया है कि वह दुनिया की सर्वोत्तम सेनाओं में से एक है। कांग्रेस लंबे समय से ये मांग करती आई है कि पहलगाम घटना और उसकी बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए।"

उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में कांग्रेस सरकार ने सर्वसम्मति से पीओके को वापस लेने का प्रस्ताव पारित कराया था। पायलट ने कहा,अब समय आ गया है कि हमें 1994 के प्रस्ताव को दोहराना चाहिए। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे देश और विपक्ष सहित हर राजनीतिक दल से भारत सरकार को पूरा समर्थन मिला। हमने पहले दिन से ही साफ कहा था कि यह हमारी आत्मा पर हमला है और इसका मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी है। सेना ने जो कदम उठाए, हमें उस पर गर्व है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को उनकी मांग सुननी चाहिए और एक विशेष संसद सत्र बुलाकर चर्चा करनी चाहिए ताकि पूरी दुनिया में संदेश जाए कि आतंकवाद और पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ पूरा देश एकजुट है।

खड़गे व राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि गांधी ने पिछले दिनों सर्वदलीय बैठक में भी संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कही थी।

सर्वदलीय बैठक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यदि आज मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री होते तो वह सर्वदलीय बैठक में उपस्थित होते और विशेष सत्र भी बुलाया जाता।

सिब्बल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा, ट्रंप ने कहा था कि उन्हें गर्व है कि अमेरिका इस "ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय तक पहुंचने में मदद कर सका। सिब्बल ने कहा, "इस ट्वीट पर भी कई सवाल उठेंगे। (अमेरिका के) विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने कहा कि पिछले 48 घंटों से बातचीत जारी थी। तो क्या हुआ, कैसे हुआ और क्यों हुआ, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने यह भी कहा, "तटस्थ स्थलों पर बैठक होगी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोवाल से बात की है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908